पाँव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी, इनायत होगी

वरना हमको नहीं, इनको भी शिकायत होगी

शिकायत होगी

आप जो फूल बिछाएं उन्हें हम ठुकराएं - २

हमको डर है

हमको डर है के ये तौहीन-ए-मुहब्बत होगी, मुहब्बत होगी

पाँव छू लेने दो ...

दिल की बेचैन उमंगों पे करम फ़रमाओ - २

इतना रुक रुक

इतना रुक रुक के चलोगे तो क़यामत होगी, क़यामत होगी

पाँव छू लेने दो ...

शर्म रोके है इधर, शौक उधर खींचे है - २

क्या खबर थी

क्या खबर थी तभी इस दिल की ये हालत होगी

ये हालत होगी

पाँव छू लेने दो ...

शर्म गैरों से हुआ करती है अपनों से नहीं - २

शर्म हम से

शर्म हम से भी करोगे तो मुसीबत होगी, मुसीबत होगी

पाँव छू लेने दो ...